Rashtriya Sahara

Friday, 12th April 2013

बाजार में बिकने वाली पांच फीसद दवाइयां नकली!

लखनऊ (एसएनबी)। देश में मिलने वाली कुल दवाइयों में से पांच फीसद नकली होंती हैं जिनका सीधा प्रभाव आम जनता की जेब और स्वास्थ्य पर पड़ता। इसके अलावा गैर कानूनी तरीके से देश में माल लाने और ख्याति प्राप्त ब्रांडों के नकली सामान से उद्योगों और सरकार को अरबों का राजस्व का नुकसान होता है। देशवासियों को नकली सामान और तस्करी के जरिये आने वाले उत्पादों के प्रति जागरूक करने के लिए फिक्की-कैस्केड (कमेटी ऑन एंटी स्मगलिंग एंड काउंटरफीटिंग एक्टिविटीज़ डेस्ट्राइंग द इकोनॉमी) ने अभियान शुरू किया है। इसी कड़ी में बृहस्पतिवार को फिक्की-कैस्केड ने एक मोमबत्ती प्रकाश समारोह का आयोजन किया। इसका उद्घाटन प्रदेश के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री प्रो. अभिषेक मिश्रा ने किया। इस अवसर पर लगभग 500 लोगों के समूह ने इसके लिए कदम उठाने और 'नकली छोड़ो' और 'स्मगलिंग से लड़ो' के लिए प्रतिज्ञा की।

■ नकली उत्पादों के प्रति जागरूक करने के लिए फिक्की-कैस्केड ने चलाया अभियान

प्रदेश के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री प्रो. मिश्रा ने राज्य में तस्करी और नकलीकरण को जड़ से समाप्त करने के लिए फिक्की कैस्केड से सहयोग करने का आग्रह किया। उन्होंने फिक्की-कैस्केड से सरकारी कर्मचारियों, पुलिस और कस्टम एक्साइज के कर्मचारियों को भी इस क्षेत्र में प्रशिक्षित करने का आग्रह किया।

इस अवसर पर सेन्ट्रल बोर्ड ऑफ सेन्ट्रल एक्साइज एंड कस्टम के पूर्व चेयरमैन व फिक्की-कैस्केड के सलाहकार पी.सी. झा ने कहा कि वर्ष 2012 में सरकार को होने वाला अनुमानित वार्षिक कर घाटा लगभग 26,190 करोड़ रुपये है। अध्ययन में यह भी अनुमान लगाया गया कि उद्योग क्षेत्र को इससे 1,00,000 करोड़ रुपए की वार्षिक बिक्री का घाटा होता है। इस अध्ययन में शामिल किए गए प्रमुख क्षेत्रों में आटो कम्पोनेंट्स, एल्कोहल, कम्प्यूटर हार्डवेयर, उपभोक्ता वस्तुएं, मोबाइल फोन, तम्बाकू व दवाइयां शामिल हैं।

लखनऊ : बृहस्पतिवार को फिक्की-कैस्केड द्वारा आयोजित कार्यक्रम का दीप जलाकर उद्घाटन करते प्रदेश के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री प्रो. अभिषेक मिश्रा।